



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 25] नई दिल्ली, जून 13—जून 19, 2004, शनिवार/ज्येष्ठ 23—ज्येष्ठ 29, 1926
No. 25] NEW DELHI, JUNE 13—JUNE 19, 2004, SATURDAY/JYAISTHA 23—JYAISTHA 29, 1926

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृष्ठक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अंतर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)
General Statutory Rules (Including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

(भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय)

नई दिल्ली, 3 जून, 2004

सा.का.नि. 199.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और गृह मंत्रालय, भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय में (मानचित्र विश्लेषक) भर्ती नियम, 2001 और भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय (मानचित्र विश्लेषक) भर्ती (संशोधन) नियम, 2003 का अधिक्रमण करते हुए, अधिक्रमण से पहले इस संबंध में की गई या लोप की जाने वाली कार्यवाही को छोड़कर, भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय में मानचित्र विश्लेषक के उक्त पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय (मानचित्र विश्लेषक) भर्ती नियम, 2004 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—इन पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपोबद्ध अनुसूची के कालम (2) से कालम (4) में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शैक्षिक अर्हताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शैक्षिक अर्हताएं और उक्त पद से संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के कालम (5) से कालम (14) में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहताएं.—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आचार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों के बारे में, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई भी बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या चयन पद अथवा अचयन पद है
1	2	3	4	5
मानचित्र विश्लेषक	02* (2004) *कार्यभार के अनुसार संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ख" राजपत्रित अनुसूचिवीय	7500-250-12000 रु.	चयन
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	क्या सेवा में जोड़े गये वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और अनिवार्य शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो
6	7	8	9	10
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत		प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा भर्ती की दशा में वे ग्रेड जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन किया जाएगा		
11		12		
प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा जिसमें अल्पकालिक संविदा शामिल है।		प्रोन्नति : ग्रेड में तीन वर्षों की नियमित सेवा वाले वरिष्ठ ड्राईंग सहायक। टिप्पणी : जहां प्रोन्नति के लिए ऐसे कनिष्ठों के नाम पर विचार किया जाता है जिन्होंने अर्हक/पात्रता सेवा पूर्ण कर ली है, तो उनसे वरिष्ठ कर्मचारियों के नाम पर भी विचार किया जाएगा बशर्ते कि उन्होंने ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा की आधे से अधिक अथवा दो वर्ष, जो भी कम हो, की अर्हक/पात्रता सेवा पूर्ण कर ली हो और उन्होंने अपने ऐसे कनिष्ठों जिन्होंने ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा पहले ही पूर्ण कर ली है, सहित अगले उच्चतर ग्रेड में प्रोन्नति के लिए सफलतापूर्वक अपनी परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर ली हो।		

प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक संविदा सहित) :

केन्द्र/राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र/सार्वजनिक उपक्रम/विश्वविद्यालय/मान्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थान/स्वायत्त/अर्ध सरकारी अथवा सांविधिक संगठनों में कार्यरत ऐसे कर्मचारी जो :—

- (क) (i) मूल संवर्ग/विभाग में नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हों; अथवा
(ii) मूल संवर्ग/विभाग में 6500—10500 रुपये अथवा समकक्ष वेतनमान वाले पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् ग्रेड में तीन वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके हों; और

(ख) निम्नलिखित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव रखते हों :

- (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भूगोल में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा समकक्ष;
(ii) अनुप्रयुक्त मानचित्रकारी में दो वर्ष का अनुभव।

(फीडर वर्ग के वे विभागीय कर्मचारी, जो प्रोन्नति की सीधी लाइन में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त कर्मचारी प्रोन्नति पर नियुक्ति के लिए विचार के पात्र नहीं होंगे। केन्द्रीय सरकार के उसी अथवा अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से तुरंत पहले धारित किसी अन्य संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि सहित प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक संविदा सहित) द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्त होने की अन्तिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान है, तो उसकी संरचना क्या है	भर्ती करते समय किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
13	14
प्रोन्नति पर विचार के लिए समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति :—	किसी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति (अल्पकालिक संविदा सहित) पर नियुक्ति करते समय और इन भर्ती नियमों के किसी भी प्रावधान में संशोधन करने/छूट देने के लिए संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।
1. भारत के महारजिस्ट्रार —अध्यक्ष	
2. भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार —सदस्य	
3. उप महारजिस्ट्रार (मानचित्र) —सदस्य	

[फा. सं. ए-12032/8/99-प्रशा.-II]

जयन्त कुमार बांटिया, भारत के महारजिस्ट्रार

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA)

New Delhi, the 3rd June, 2004

G.S.R. 199.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Home Affairs, Office of the Registrar General, India (Map Analyst) Recruitment Rules, 2001, and the Office of the Registrar General, India (Map Analyst) Recruitment (Amendment) Rules, 2003, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the said posts of Map Analyst in the Office of the Registrar General, India, namely

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Office of the Registrar General, India (Map Analyst) Recruitment Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, Classification and scale of pay.—The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, educational qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, educational qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit, and other concessions required to be provided for the candidates belonging to Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Other Backward Classes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits.
1	2	3	4	5	6
Map Analyst	02* (2004) * Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'B' Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 7500-250-12000	Selection	Not applicable
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972		Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees		Period of probation, if any
7		8	9		10
Not applicable		Not applicable	Not applicable		Not applicable
Method of recruitment : whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/absorption and percentage of the posts to be filled by various methods		In case of recruitment by Promotion/deputation/absorption grade from which promotion/deputation/absorption to be made			
11		12			
Promotion failing which by deputation including short-term contract		Promotion : Senior Drawing Assistant with three years regular service in the grade. Note : Where juniors who have completed their qualifying/eligibility service are being considered for promotion, their seniors would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying/eligibility service by more than half of such			

qualifying/eligibility service or two years, whichever is less, and have successfully completed their probation period for promotion to the next higher grade along with their juniors who have already completed such qualifying/eligibility service.

Deputation (including short-term contract) :—

Officers under the Central/State Governments/Union Territories/Public Sector Undertakings/Universities/Recognised Research Institutions/Autonomous/Semi-government or Statutory Organisations :

- (a) (i) holding analogous posts on a regular basis in the parent cadre/Department; or
- (ii) with three years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis in posts in the scale of Rs. 6500-10500 or equivalent in the parent cadre/department; and
- (b) possessing the following educational qualifications and experience :
 - (i) Master's Degree in Geography of a recognised University or equivalent;
 - (ii) Two years' experience in applied Cartography.

[The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation/contract including period of deputation/contract in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other Organization/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed three years. The maximum age limit for appointment by deputation (including short-term contract) shall not exceed 56 years as on the closing date of receipt of applications].

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

13

14

Group 'B' Departmental Promotion Committee for considering promotion :—

- | | |
|-----------------------------------|-----------|
| 1. Registrar General, India | —Chairman |
| 2. Joint Registrar General, India | —Member |
| 3. Deputy Registrar General (Map) | —Member |

Consultation with Union Public Service Commission necessary while appointing an officer on deputation (including short-term contract) and for amendment/relaxation of any provision of these rules.

[F.No. A-12032/8/99-Ad.-II]

J.K. BANTHIA, Registrar General, India

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(मुद्रा एवं सिक्का)

नई दिल्ली, 8 जून, 2004

सा.का.नि. 200.—उप तकनीकी अधिकारी (जाली नोट जांच प्रकोष्ठ) के पद के लिए दिनांक 13-9-2002 को भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) (सा.का.नि. 319) पृष्ठ संख्या 1964 पर प्रकाशित इस विभाग की दिनांक 29-8-2003 की अधिसूचना संख्या फा. 4 (29)/2002-मुद्रा-II (बी.एन.पी.) में उप तकनीकी अधिकारी (जाली नोट जांच) की मौजूदा प्रविष्टियों की नीचे की अनुसूची को इस प्रकार पढ़ा जाए,—

"6ए उप तकनीकी अधिकारी (जाली नोट जांच)"।

[फा. सं. 4 (29)/2002-मुद्रा-II (बी.एन.पी.)]

ए. के. खन्ना, अवर सचिव

17599I/04

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(CURRENCY AND COINAGE)

New Delhi, the 8th June, 2004

G.S.R. 200.—In this department's Notification F. No. 4(29)/2002-Cy-II (BNP) dated the 29th August, 2003 published (G.S.R. 319) in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 13-9-2003 for the post of Deputy Technical Officer (Counterfeit Note Examination) at page No. 1964 the following may be read below Schedule instead of existing entries of Dy. Technical Officer (Counterfeit Note Examination).

“6A Deputy Technical Officer (Counterfeit Note Examination)”.

[F. No. 4(29)/2002-Cy-II (BNP)]

A.K. KHANNA, Under Secy.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग)
(केन्द्रीय बायलर बोर्ड)

नई दिल्ली, 10 जून, 2004

सा.का.नि. 201.—यतः वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग) (केन्द्रीय बायलर बोर्ड) भारत सरकार, के दिनांक 21 अक्टूबर, 2003 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 380 के तहत इसके द्वारा प्रभावित होने वाले संभावित व्यक्तियों से आपत्तियां तथा सुझाव उक्त अधिसूचना से संबंधित राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराने की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि समाप्त होने तक मांगने के लिए भारतीय बायलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 31 की उप-धारा (1), जो दिनांक 25 अक्टूबर, 2003 के भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में है, द्वारा यथा अपेक्षित भारतीय बायलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने के लिये कतिपय मसौदा विनियम प्रकाशित किये गये थे;

और जबकि उक्त अधिसूचना वाले राजपत्र की प्रतियां आम जनता को 7 नवम्बर, 2003 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और जबकि विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर इस अधिसूचना में निहित संशोधनों के बारे में कोई भी आपत्तियां अथवा सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

अतः अब भारतीय बायलर अधिनियम, 1923 की धारा 28 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय बायलर बोर्ड, एतद्वारा भारतीय बायलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः :—

1. (1) इन विनियमों को भारतीय बायलर (संशोधन) विनियम, 2004 कहा जायेगा।
(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।
2. भारतीय बायलर विनियम, 1950 में विनियम 4ख में “तीन वर्ष” शब्दों के स्थान पर शब्द “पांच वर्ष” प्रतिस्थापित किये जाएंगे।

[फा. सं. 6(3)/2001-बायलर]

बी० के० गोयल, सचिव

टिप्पण : मुख्य विनियमों को का.नि.आ. 600 दिनांक 15 सितम्बर, 1950 के तहत भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था और तत्पश्चात्

निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया :

- | | |
|---|--|
| 1. सा.का.नि. 178 दिनांक 24 मार्च, 1990 | 15. सा.का.नि. 582 दिनांक 28 दिसम्बर, 1996 |
| 2. सा.का.नि. 179 दिनांक 24 मार्च, 1990 | 16. सा.का.नि. 59 दिनांक 25 जनवरी, 1997 |
| 3. सा.का.नि. 488 दिनांक 9 अक्टूबर, 1993 | 17. सा.का.नि. 117 दिनांक 1 मार्च, 1997 |
| 4. सा.का.नि. 516 दिनांक 23 अक्टूबर, 1993 | 18. सा.का.नि. 172 दिनांक 29 मार्च, 1997 |
| 5. सा.का.नि. 634 दिनांक 25 दिसम्बर, 1993 | 19. सा.का.नि. 221 दिनांक 21 नवम्बर, 1998 |
| 6. सा.का.नि. 107 दिनांक 26 फरवरी, 1994 | 20. सा.का.नि. 131 दिनांक 1 मई, 1999 |
| शुद्धिपत्र सा.का.नि. 223 दिनांक 14 मई, 1994 | 21. सा.का.नि. 139 दिनांक 8 मई, 1999 |
| 7. सा.का.नि. 250 दिनांक 4 जून, 1994 | शुद्धिपत्र सा.का.नि. 201 दिनांक 7 अप्रैल, 2001 |
| 8. सा.का.नि. 402 दिनांक 13 अगस्त, 1994 | 22. सा.का.नि. 237 दिनांक 31 जुलाई, 1999 |
| 9. सा.का.नि. 427 दिनांक 20 अगस्त, 1994 | 23. सा.का.नि. 345 दिनांक 23 अक्टूबर, 1999 |
| 10. सा.का.नि. 562 दिनांक 12 नवम्बर, 1994 | 24. सा.का.नि. 397 दिनांक 14 अक्टूबर, 2000 |
| 11. सा.का.नि. 607 दिनांक 10 दिसम्बर, 1994 | 25. सा.का.नि. 219 दिनांक 14 अप्रैल, 2001 |
| 12. सा.का.नि. 83 दिनांक 25 फरवरी, 1995 | 26. सा.का.नि. 496 दिनांक 8 सितम्बर, 2001 |
| 13. सा.का.नि. 93 दिनांक 4 मार्च, 1995 | 27. सा.का.नि. 672 दिनांक 15 दिसम्बर, 2001 |
| 14. सा.का.नि. 488 दिनांक 9 नवम्बर, 1996 | 28. सा.का.नि. 127 दिनांक 13 अप्रैल, 2002 |
| | 29. सा.का.नि. 407 दिनांक 22 नवम्बर, 2003 |

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Industrial Policy and Promotion)****(CENTRAL BOILERS BOARD)**

New Delhi; the 10th June, 2004

G.S.R. 201.—Whereas certain draft regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published, as required by Sub-section (1) of Section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), vide notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy and Promotion) (Central Boilers Board) number G.S.R. 380, dated the 21st October, 2003, in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, dated the 25th October, 2003, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of forty-five days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette containing the notification were made available to the public on the 7th November, 2003;

And whereas no objections or suggestions have been received within the specified period in respect of the amendments contained in this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 28 of the Indian Boilers Act, 1923, the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Amendment) Regulations, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in regulation 4E, in sub-regulation (a), for the words “three years”, the words “five years” shall be substituted.

[F. No. 6(3)/2001-Boilers]

V. K. GOEL, Secy.

Note: The principal regulations were published in the Gazette of India vide number S.O. 600, dated the 15th September, 1950 and subsequently amended vide notifications:—

(i) G.S.R. 178 dated the 24th March, 1990	(xv) G.S.R. 582 dated the 28th December, 1996
(ii) G.S.R. 179 dated the 24th March, 1990	(xvi) G.S.R. 59 dated the 25th January, 1997
(iii) G.S.R. 488 dated the 9th October, 1993	(xvii) G.S.R. 117 dated the 1st March, 1997
(iv) G.S.R. 516 dated the 23rd October, 1993	(xviii) G.S.R. 172 dated the 29th March, 1997
(v) G.S.R. 634 dated the 25th December, 1993	(xix) G.S.R. 221 dated the 21st November, 1998
(vi) G.S.R. 107 dated the 26th February, 1994 Errata G.S.R. 223 dated the 14th May, 1994	(xx) G.S.R. 131 dated the 1st May, 1999
(vii) G.S.R. 250 dated the 4th June, 1994	(xxi) G.S.R. 139 dated the 8th May, 1999 Errata G.S.R. 201 dated 7th April, 2001
(viii) G.S.R. 402 dated the 13th August, 1994	(xxii) G.S.R. 237 dated the 31st July, 1999
(ix) G.S.R. 427 dated the 20th August, 1994	(xxiii) G.S.R. 345 dated the 23rd October, 1999
(x) G.S.R. 562 dated the 12th November, 1994	(xxiv) G.S.R. 397 dated the 14th October, 2000
(xi) G.S.R. 607 dated the 10th December, 1994	(xxv) G.S.R. 219 dated the 14th April, 2001
(xii) G.S.R. 83 dated the 25th February, 1995	(xxvi) G.S.R. 496 dated the 8th September, 2001
(xiii) G.S.R. 93 dated the 4th March, 1995	(xxvii) G.S.R. 672 dated the 15th December, 2001
(xiv) G.S.R. 488 dated the 9th November, 1996	(xxviii) G.S.R. 127 dated the 13th April, 2002
	(xxix) G.S.R. 407 dated the 22nd November, 2003

नई दिल्ली, 11 जून, 2004

सा.का.नि. 202.—भारतीय बॉयलर बोर्ड (सदस्यों का नामांकन) नियमावली, 2003 के साथ पठित भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 27 (क) की उप-धारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, दिनांक 2 सितम्बर, 2003 के भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में प्रकाशित, भारत सरकार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग) की दिनांक 18 अगस्त, 2003 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 298 में निम्नलिखित संशोधन करती है, जिसे दिनांक 10 अप्रैल, 2004 के भारत के

राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में प्रकाशित, भारत सरकार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग) की दिनांक 24 मार्च, 2004 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 118 द्वारा संशोधित किया गया था, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में शीर्षक :—

“अधिनियम, की धारा 27 की उपधारा (2) के खंड (ख) के तहत राज्य सरकारों द्वारा नामित” के तहत क्रम संख्या 29 के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“29ए. मुख्य निरीक्षक बॉयलर्स,
मिजोरम सरकार,
इन्डस्ट्रीज विभाग,
एजावल

सदस्य”

[सं. 1(3)/2002-बॉयलर्स]

वी. के. गोयल, तकनीकी सलाहकार (बॉयलर)

New Delhi, the 11th June, 2004

G.S.R. 202.—In exercise of the powers conferred by Sub-sections (1) and (2) of Section 27A of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), read with the Central Boilers Board (Nomination of Members) Rules, 2003, the Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy and Promotion) No. G.S.R. 298 dated 18th August, 2003, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 2nd September, 2003 and amended vide G.S.R. No. 118 dated 24th March, 2004, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 10th April, 2004, namely :—

In the said notification, under the heading :—

“Nominated by the State Governments under clause (b) of Sub-section (2) of Section 27A of the Act”

After the entry at serial number 29, the following shall be inserted, namely :—

“29A. Chief Inspector Boilers, Member
Government of Mizoram,
Industries Department,
Aizawal.

[No. 1(3)/2002-Boilers]

V. K. GOEL, Technical Adviser (Boilers)

नई दिल्ली, 11 जून, 2004

सा.का.नि. 203.—यतः वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग) (केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड) भारत सरकार, के दिनांक 21 अक्टूबर, 2003 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 378 के तहत इसके द्वारा प्रभावित होने वाले संभावित व्यक्तियों से आपत्तियां तथा सुझाव उक्त अधिसूचना से संबंधित राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करने की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि समाप्त होने तक मांगने के लिए भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 31 की उप-धारा (1), जो दिनांक 25 अक्टूबर, 2003 के भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में है, द्वारा यथा अपेक्षित भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने के लिये कतिपय मसौदा विनियम प्रकाशित किये गये थे;

और जबकि उक्त अधिसूचना वाले राजपत्र की प्रतियां आम जनता को 7 नवम्बर, 2003 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और जबकि विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर इस अधिसूचना में निहित संशोधनों के बारे में कोई भी आपत्तियां अथवा सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

अतः अब भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 की धारा 28 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड, एतद्वारा भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 में और संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः :—

1. (1) इन विनियमों को भारतीय बॉयलर (द्वितीय संशोधन) विनियम, 2004 कहा जायेगा।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।

2. भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 (जिसे इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा जायेगा) में विनियम 392 के लिए निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, नामतः :—

“392. बायलरों तथा स्टीम पाइपों की मरम्मत.—(1) बायलरों के खोलों, अग्नि डिब्बों तथा अंत प्लेटों पर गलित वैल्वयुक्त अथवा रिफ्टयुक्त चिप्पियों तथा इन विनियमों के अधीन अनुमत बायलरों के बेकार हिस्सों का व्यापक निर्माण, भट्टियों तथा अंत प्लेटों, खोल के हिस्सों, अग्नि डिब्बों, गर्डरों व स्टीम पाइपों के नवीकरण आदि जैसे मुख्य मरम्मत कार्य ऐसे फर्म को सौंपे जायेंगे जो इन विनियमों के अधीन एक मान्यताप्राप्त मरम्मतकर्ता हैं।

- (2) मान्यता का अनुरोध करने वाली फर्म को एक बायलर मरम्मतकर्ता के रूप में मान्यता लेने के लिए उस राज्य के मुख्य बायलर निरीक्षक को आवेदन प्रस्तुत किया जायेगा जिस राज्य में मान्यता मांगी गयी है।
- (3) बायलर मरम्मतकर्ता के रूप में मान्यता का अनुरोध करने वाली फर्म को बायलर की श्रेणी के अनुसार निम्नलिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करनी होगी, अर्थात् :—
 - (i) श्रेणी 1 बायलर मरम्मतकर्ता—यांत्रिक अथवा वैद्युत अभियांत्रिकी में डिग्री और बायलरों के अंशांकन, स्थापन, मरम्मत या अनुरक्षण तथा गुणवत्ता नियंत्रण में पांच वर्ष का अनुभव और इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार योग्य व स्थायी रूप से नियोजित वेल्डर;
 - (ii) श्रेणी 2 बायलर मरम्मतकर्ता—यांत्रिक अथवा वैद्युत अभियांत्रिकी में डिप्लोमा और बायलरों के अंशांकन, मरम्मत तथा अनुरक्षण में तीन वर्ष का अनुभव;
 - (iii) श्रेणी 3 बायलर मरम्मतकर्ता—बायलर की मरम्मत, अनुरक्षण, प्रचालन, स्थापना अथवा निरीक्षण कार्य का पांच वर्ष का अनुभव।
 - (iv) (क) जहां स्वामी अपने स्वयं के बायलरों की मरम्मत के लिए आवेदन करता है, तब उस मामले में उसके पास सभी आंतरिक सुविधाएं होनी चाहिए और उसे इन विनियमों के अनुसार स्वयं के बायलरों की मरम्मत करने की अनुमति के लिए राज्य के मुख्य बायलर निरीक्षक को आवेदन देना चाहिए।
(ख) बायलर की मरम्मत के लिए अनुमति हेतु आवेदन प्राप्त होने पर राज्य का मुख्य बायलर निरीक्षक आवेदन प्राप्त होने पर राज्य का मुख्य बायलर निरीक्षक आवेदन प्राप्त होने के पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर आवेदन का उत्तर देगा।
- (4) उप विनियम 3 के अधीन आवेदन प्राप्त होने पर मुख्य निरीक्षक फार्म 18 में आवेदनकर्ता को एक प्रश्नावली फार्म भेजेगा।
- (5) मुख्य निरीक्षक प्रश्नावली के उत्तरों के साथ-साथ आवेदन की जांच और मूल्यांकन करेगा तथा स्वयं को यह संतुष्ट करने के बाद कि निम्नलिखित अपेक्षाएं पूरी हो गयी हैं, फर्म को उस श्रेणी के मरम्मतकर्ता के रूप में मान्यता दे देगा जिसके लिए आवेदन किया गया है :—
 - (i) कि उसके पास रैक्टिफायर अथवा जेनरेटर, ग्राइंडर सामान्य या व उपकरण, रंग प्रवेशकारी किट, विस्तारकारी तथा मापन औजार हैं;
 - (ii) कि मरम्मत करने के लिए उसके इलैक्ट्रिक आर्क या ओक्सी-एसीटीलीन सैट और अन्य सभी औजार व संयंत्र आरंभ किए गए कार्य के लिए उपयुक्त हैं;
 - (iii) कि प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित विनिर्देशों के अनुरूप है;
 - (iv) कि उसके द्वारा नियोजित पर्यवेक्षी तथा प्रचालन कर्मचारियों के पास कार्य आरंभ करने के लिए अपेक्षित प्रशिक्षण और अनुभव हैं;
 - (v) कि उसके द्वारा नियोजित सभी वेल्डरों के पास इन विनियमों के अध्याय 13 के अधीन की गयी अपेक्षानुसार जारी किए गए प्रमाणपत्र हैं;
 - (vi) कार्य उच्च स्तर का होना चाहिए तथा मुख्य निरीक्षक द्वारा निर्धारित की जाने वाली सभी अपेक्षाओं तथा जांच का अनुपालन किया जाना चाहिए।
- (6) एक मरम्मतकर्ता के रूप में फर्म की मान्यता दो वर्ष की अवधि के लिए होगी, तत्पश्चात् उन्हें अपनी मान्यता की समाप्ति से कम से कम दो महीने पूर्व अपनी मान्यता के नवीकरण हेतु आवेदन करना होगा।
- (7) यदि मरम्मतकर्ता जानबूझकर अथवा अनजाने में अधिनियम या विनियमों के उपबंधों का उल्लंघन करने में लिप्त पाया जाता है तो उसके फर्म को दोषियों की सूची में सूचीबद्ध किया जायेगा, जिसकी सूचना सभी राज्यों या संघ शासित प्रदेशों के मुख्य निरीक्षकों या बायलर निदेशकों को दी जायेगी और किसी सभी हाल में नवीकरण नहीं किया जा सकेगा।

“392क. मरम्मत की पद्धति.—(1) मरम्मत कार्य निरीक्षक की देखरेख में किया जायेगा और जब लोकोमोटिव ट्यूब बायलरों की अग्नि पेटियों और धुएं की ट्यूबों को निकाला जाना होगा तब आंतरिक हिस्से-पुर्जों, जो अन्यथा रूप में गहन निरीक्षण हेतु पहुंच में नहीं होते हैं, का निरीक्षण निरीक्षक को करना होगा।

1759 GEP/4

(2) बॉयलर शेलों की मरम्मत चिप्पी लगाकर अथवा टूटी पट्टी अथवा क्षतिग्रस्त प्लेट को हटाकर और लंबाई में कुंदे के सिरे के ऊपर कवर पट्टी के साथ नई पत्ती लगाकर की जाएगी, रिबिट लगे जोड़ की मजबूती शेल की लंबाई वाले जोड़ों से कम नहीं होगी।

(3) (i) अग्नि विगोपित प्लेटों की चिप्पियां किसी निरुपण जोड़ों के बिना धातु से धातु पर लगानी होगी।

(ii) प्रभावित हिस्से को काटना होगा और छिद्र के कार्नर गोलाईयुक्त रखने होंगे।

(iii) जहां तक संभव हो सके, चिप्पियां ठीक विस्तार के रिबिटों से सुरक्षित की जायेंगी, जिसमें रिबिट द्विद्र के किनारे और प्लेट की किनारी के बीच कम से कम रिबिट के व्यास के बराबर की मोटाई होनी चाहिए।

(iv) जहां रिबिट लगाना व्यावहारिक नहीं होता है, प्लेट को पेचदार क्रील लगाकर सुरक्षित करना होगा।

(4) चिप्पी प्लेट की मोटाई पहले प्रयुक्त की गई प्लेट की मूल मोटाई से कम नहीं होगी।

(5) यदि उभरा अथवा विकृत भाग बहुत बड़ा नहीं है तो उभरे अथवा विकृत भट्टी अथवा गोलाकार भाग को पीछे को दबा कर आकार दिया जा सकता है।

(6) जो विकृत हो गये हैं उन समानांतर बॉयलर के गोलाकार भट्टों को उचित रूप में पुनः लगाया जा सकता है।

(7) (i) पात-रोधी छल्ले पर्याप्त अंश के होंगे जो 22 मि.मी. से अधिक व्यास के और लगभग 178 मि. मी. चूड़ी के ठहरावों से कोण के सपाट के जरिये पीछे से बोल्ट युक्त एक या दो कोणों में होंगे और भट्टे में पेच से जुड़े होंगे।

(ii) इनके शिरे आग की तरफ या तो गोलाई लिए हुए या रिबिट लगे हों और दूसरी ओर नट से जोड़े गये हों।

(8) बॉयलर के किसी भाग की मरम्मत के लिए वैल्विंग करना स्वाकार्य नहीं होगा, जिसके लिए इन विनियमों के अधीन नये बॉयलर में वैल्विंग करने की मनाही है और बॉयलर शेलों की मरम्मत थोड़े पथक घिसे हुए अथवा द्विद्रित भाग की भराई करने अथवा खुले खराब किनारियों को बनाने के अतिरिक्त वैल्विंग करके नहीं करनी होगी।

(9) गोलाकार शेलों की तवा-कार सिरों में अथवा समतल प्लेटों के शिरे में अथवा परिधीय दिशा में भट्टों के कोरों के मोड़ों में दरारों अथवा सन्धियों को समाप्त किया जा सकता है और वैल्व किया जा सकता है।

(10) गोलाकारी भट्टों और अग्नि पेटियों और आयताकार अग्नि पेटियों और कम्बस्टन चैम्बरों में यथा अग्नि विगोपित प्लेटों के खराब हिस्सों को काट कर निकाला जा सकता है और नये टुकड़ों को जोड़ कर उन्हें बदला जा सकता है अथवा वैल्विंग करके उनको विनिर्मित किया जा सकता है।

(11) गोलाकारी भट्टों और अग्नि पेटियों में लम्बवत् सन्धियों को और आयताकार अग्नि पेटियों व कम्बस्टन चैम्बरों की सन्धियों की वैल्विंग की जा सकती है।

(12) ठहराव छड़ों की वैल्विंग नहीं की जायेगी।

(13) धुएं के टयबों की सिराओं की वैल्विंग की जा सकती है जो या तो गलन वैल्विंग या प्रवाहन वैल्विंग या आक्सी-एसीटिलीन वैल्विंग से की जायेगी और इनकी जांच मुख्य बायलर निरीक्षक के विवेकानुसार जलप्रवाह करके की जानी होगी।

(3) उक्त विनियमों में प्रारूप-17 के बाद, निम्नलिखित जोड़ा जायेगा; अर्थात् :—

"प्रारूप 18"

[विनियम 392(4) देखें]

भारतीय बॉयलर विनियम, 1950 के तहत बॉयलरों/इकोनोमाइजर/स्टीम लाइन/
फीड वाटर लाइन आदि की मरम्मतकर्ता के लिए प्रश्नावली-प्रपत्र।

1. फर्म का पंजीकृत नाम और इसका स्थाई पता :

2. स्थापना का वर्ष :

3. आवेदित वर्गीकरण—

(क) श्रेणी I (दाब ≥ 17.5 कि. ग्रा./सें.मी.²)

(ख) श्रेणी II (दाब < 17.5 कि. ग्रा./सें.मी.²)

और ≥ 7.5 कि. ग्रा./सें.मी.²)

(ग) श्रेणी III (दाब < 7.5 कि. ग्रा./सें.मी.²)

4. फर्म द्वारा पहले किस किस्म के कार्य किए गये हैं, जिसमें उनके द्वारा किया गया अधिकतम कार्यभार, तापमान और अंतर्ग्रस्त सामग्री का विशेष उल्लेख किया जाए और साथ ही लिखित साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएं। :
5. क्या फर्म को किसी बॉयलर निदेशालय/निरीक्षणालय द्वारा कभी कोई स्वीकृति दी गई है ? यदि हां, तो कृपया ब्यौरा दें। :
6. क्या आपके पास विनियम 392 (5)(i) के तहत कोई रेक्टिफायर/जनरेटर, ग्राइंडर, सामान्य टूल व टैकल, डाई पेनीट्रेंट किट, एक्सपेंडर तथा मापने का उपकरण अथवा कोई अन्य टूल व टैकल हैं ? :
7. तकनीकी कार्मिकों की विस्तृत सूची साथ ही फर्म में स्थाई रूप से नियोजित वैल्वरों के वर्तमान प्रमाणपत्रों जो उक्त विनियम के तहत जारी किये गये हैं की फोटो कापी :
8. फर्म कितने कार्यस्थलों का एक ही समय में उपयोग कर सकेगा, उसका उल्लेख करें। :
9. क्या फर्म विनियमों के अनुरूप सख्ताई से कार्य को पूरा करने तथा कार्य का उच्च दर्जा बनाये रखने के लिए तैयार है ? :
10. क्या फर्म किये गये कार्य हेतु पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करने के लिए तैयार है और यदि आवश्यक हो तो किसी विवादास्पद मामले के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार है ? :
11. क्या फर्म जरूरत पड़ने पर समुचित जांच प्रमाण पत्र सहित तथा अपेक्षित विनिर्देशन के अनुसार सामग्री की आपूर्ति करने की स्थिति में है ? :
12. क्या फर्म के पास उनकी अपनी स्वयं की आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली है ? यदि हां, तो कृपया ब्यौरा दें। :
13. नियोजन कार्मिकों की योग्यता/अनुभव :

दिनांक

स्थान :

फर्म के अधिकृत हस्ताक्षरधारी के
हस्ताक्षर और मुहर

- टिप्पण : 1. एक मरम्मतकर्ता के रूप में फर्म की मान्यता दो वर्ष की अवधि के लिए होगी। तत्पश्चात् उन्हें अपनी मान्यता की समाप्ति से कम से कम दो महीने पूर्व अपनी मान्यता के नवीकरण हेतु आवेदन करना होगा।
2. यदि मरम्मतकर्ता जानबूझकर अथवा अनजाने में अधिनियम या विनियमों के उपबंधों का उल्लंघन करने में लिप्त पाया जाता है तो उसके फर्म को दोषियों की सूची में सूचीबद्ध किया जायेगा, जिसकी सूचना सभी राज्यों या संघ शासित प्रदेशों के मुख्य निरीक्षकों या बॉयलर निदेशकों को दी जायेगी और किसी भी हाल में नवीकरण नहीं किया जा सकेगा।

[फ़. सं. 6(10)/2000-बॉयलर]

वी० के० गोयल, सचिव

टिप्पण : मुख्य विनियमों को का. आ. 600 दिनांक 15 सितम्बर, 1950 के तहत भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था और तत्पश्चात् निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया :

- | | |
|---|---|
| 1. सा.का.नि. 178 दिनांक 24 मार्च, 1990 | 13. सा.का.नि. 93 दिनांक 4 मार्च, 1995 |
| 2. सा.का.नि. 179 दिनांक 24 मार्च, 1990 | 14. सा.का.नि. 488 दिनांक 9 नवम्बर, 1996 |
| 3. सा.का.नि. 488 दिनांक 9 अक्टूबर, 1993 | 15. सा.का.नि. 582 दिनांक 28 दिसम्बर, 1996 |
| 4. सा.का.नि. 516 दिनांक 23 अक्टूबर, 1993 | 16. सा.का.नि. 59 दिनांक 25 जनवरी, 1997 |
| 5. सा.का.नि. 634 दिनांक 25 दिसम्बर, 1993 | 17. सा.का.नि. 117 दिनांक 1 मार्च, 1997 |
| 6. सा.का.नि. 107 दिनांक 26 फरवरी, 1994 | 18. सा.का.नि. 172 दिनांक 29 मार्च, 1997 |
| शुद्धिपत्र सा.का.नि. 223 दिनांक 14 मई, 1994 | 19. सा.का.नि. 221 दिनांक 21 नवम्बर, 1998 |
| 7. सा.का.नि. 250 दिनांक 4 जून, 1994 | 20. सा.का.नि. 131 दिनांक 1 मई, 1999 |
| 8. सा.का.नि. 402 दिनांक 13 अगस्त, 1994 | 21. सा.का.नि. 139 दिनांक 8 मई, 1999 |
| 9. सा.का.नि. 427 दिनांक 20 अगस्त, 1994 | 22. सा.का.नि. 237 दिनांक 31 जुलाई, 1999 |
| 10. सा.का.नि. 562 दिनांक 12 नवम्बर, 1994 | 23. सा.का.नि. 345 दिनांक 23 अक्टूबर, 1999 |
| 11. सा.का.नि. 607 दिनांक 10 दिसम्बर, 1994 | 24. सा.का.नि. 397 दिनांक 14 अक्टूबर, 2000 |
| 12. सा.का.नि. 83 दिनांक 25 फरवरी, 1995 | 25. सा.का.नि. 219 दिनांक 14 अप्रैल, 2001 |
| | 26. सा.का.नि. 496 दिनांक 8 सितम्बर, 2001 |
| | 27. सा.का.नि. 672 दिनांक 15 दिसम्बर, 2001 |
| | 28. सा.का.नि. 127 दिनांक 13 अप्रैल, 2002 |
| | 29. सा.का.नि. 407 दिनांक 22 नवम्बर, 2003 |

New Delhi, the 11th June, 2004

G.S.R. 203.—Whereas certain draft regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published, as required by Sub-section (1) of Section 31 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), vide notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy and Promotion) (Central Boilers Board) number G.S.R. 378, dated the 21st October, 2003, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 25th October, 2003, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of forty-five days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette containing the notification were made available to the public on the 7th November, 2003;

And whereas no objections or suggestions have been received within the specified period in respect of the amendments contained in the said notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 28 of the Indian Boilers Act, 1923, the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Amendment) Regulations, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), for regulation 392, the following regulation shall be substituted, namely :—

“392. Repairs to boilers and steam pipes.—(1) Major repairs such as fusion welded or riveted patches to shells, fire boxes and end plates of boilers and extensive building up of wasted parts of boilers permitted under these regulations, the renewal of furnaces and end plates, parts of shell, fire boxes, girders and steam-pipes, etc. shall only be entrusted to a firm who is recognised as a repairer under these regulations.

(2) Any firm seeking recognition shall apply to Chief Inspector of Boilers of the State in which the recognition is sought.

(3) A firm seeking recognition as a repairer shall meet the following requirements depending upon the class of boilers, namely :—

- (i) Class I boiler repairer—The owner of the firm himself shall have a degree in mechanical or electrical engineering or the firm shall have on its rolls a permanently employed engineer having a degree in mechanical or electrical engineering with the firm having at least five years' experience in fabrication, erection, repair or maintenance and quality control of boilers, and qualified and permanently employed welders as per the provisions of these regulations;
- (ii) Class II boiler repairer—The owner of the firm himself shall have a diploma in mechanical or electrical engineering or the firm shall have on its rolls a permanently employed engineer having a diploma in mechanical or electrical engineering with the firm having at least three years' experience in fabrication, repair and maintenance of boilers;
- (iii) Class III boiler repairer—The Firm shall have the experience of five years in repair, maintenance, operation, erection or inspection of boiler;
- (iv) (a) Where the power stations, fertilizer plants, chemical and petrochemical plants or refineries apply for repair of their own boilers, they shall have all the facilities in-house and may apply to the Chief Inspector of Boilers of the State for permission to repair their own boilers in accordance with these regulations.
(b) On receipt of the application for permission to repair to a boiler, the Chief Inspector of Boilers of the State shall reply to the request within a period of fifteen days of the receipt of the application.

(4) On receipt of the application under sub-regulation (3), the Chief Inspector shall send a questionnaire in 'Form XVIII' to the applicant.

(5) The Chief Inspector will scrutinize and evaluate the application along with the replies to the questionnaire and after satisfying himself that the following requirements are fulfilled, shall recognise the firm as a repairer in the category applied for, namely :—

- (i) that the firm possesses rectifier or generator, grinder, general tools and tackles, dye-penetrant kit, expander and measuring instruments;
- (ii) that the electric arc or oxy-acetylene welding sets and all other tools and plant in his possession for carrying out repairs are suitable for the work undertaken;
- (iii) that the quality of material used conforms to the specifications prescribed in these regulations;
- (iv) that the supervisory and operational staff employed by the firm possesses the necessary training and experience for the work undertaken;
- (v) that all welders employed by the firm possess certificates issued as required under Chapter XIII of these regulations;
- (vi) standard of work should be of high order and comply with all the requirements and test that may be prescribed by the Chief Inspector.

(6) The recognition of the firm as a repairer shall be for a period of two years. Thereafter they shall apply for renewal of their recognition at least two months before the expiry of said period.

(7) In case the repairer is found indulging in violating the provisions of the Act/Regulations knowingly or unknowingly, the firm shall be blacklisted under intimation to Chief Inspector or Director of Boilers of all the States/Union territories and renewal shall not be done in any case.

392 A. Procedure for repairs.—(1) The repair work shall be carried out under the supervision of Inspector, and when the fireboxes and smoke tubes of locomotive tube boilers are withdrawn, the internal parts, which are otherwise inaccessible to close inspection, shall be inspected by the Inspector.

(2) Repair to boiler shells shall be carried out by patching or by removing a strip of worn or damaged plate and inserting the new strip with covering straps over the longitudinal butt ends, the strength of the riveted joints to be not less than that of the longitudinal joints of the shell.

- (3) (a) Patches for fire exposed plates shall be fitted metal to metal without joint of any description.
(b) The affected part shall be cut out, leaving the corners of the hole wellrounded.
(c) Patches shall be secured, wherever possible, properly spaced rivets with a width of plate at least equal to the diameter of rivet between the edge of the rivet hole and the edge of the plate.
(d) Where riveting is impracticable, the plate shall be secured by well fitting countersunk headed screw pins.

- (4) The thickness of a patch plate shall not be less than the original thickness of the plate which it is used to patch.
- (5) Bulged or distorted furnaces or circular section may, if the bulge or distortion is not too great, be pressed back to shape.
- (6) Circular furnaces of horizontal boilers that have become distorted may be suitably reinforced.
- (7) (a) Anti-collapse rings shall be of substantial section either of single or double angles bolted back to back with screw stays not less than 22 mm in diameter and about 178 mm in pitch passed through flat of angle and screwed into the furnace, the ends being either rounded or riveted over on the fire side and fitted with nuts at the other.
- (b) The stay bolts shall be fitted with ferrules not less than 1 inch in depth between furnace and angle ring.
- (8) Welding shall not be accepted for the repair of any part of a boiler for which welding is forbidden for a new boiler under these regulations and boiler shells shall not be repaired by welding beyond the filling up of a small isolated corroded or pitted part or the making up of wasted edges of openings.
- (9) Cracks or grooving in dished or flat end plates of cylindrical shells or in the bends of furnace flanges in a circumferential direction may be weed out and welded.
- (10) Wasted parts of circular furnaces and fire-boxes and fire exposed flat plates as in rectangular fire-boxes and combustion chambers may be cut out and be replaced by new pieces welded in or they may be built up by welding.
- (11) Longitudinal cracks in circular furnaces and fire-boxes and cracks in rectangular fire-boxes and combustion chambers may be welded.
- (12) No stay bar shall be welded.
- (13) Smoke tubes may be butt welded either by fusion welding, flush welding or oxy-acetylene welding, and these may be tested hydraulically at the discretion of the Chief Inspector.”

3. In the said Regulations, after Form XVII, the following form shall be inserted, namely :—

“FORM—XVIII

[See Regulation 392 (4)]

**Questionnaire form for repairer of boilers/economiser/steam line/feed water lines etc.
under the Indian Boiler Regulations, 1950.**

1. Registered name of the firm and its permanent address :
2. Year of establishment :
3. Classification applied for— :
 - (a) Class I (pressure ≥ 17.5 kg/cm²) :
 - (b) Class II (pressure < 17.5 kg/cm² and ≥ 7.5 kg/cm²) :
 - (c) Class III (pressure < 7.5 kg/cm²) :
4. Type of jobs executed by the firm earlier, with special reference to their maximum working pressure, temperature and the materials involved, with documentary evidence :
5. Whether the firm has ever been approved by any Boilers' Directorate/Inspectorate? If so, give details :
6. Whether having rectifier/generator, grinder, general tools and tackles, dye penetrant kit, expander and measuring instruments or any other tools and tackles under regulation 392(5)(i). :
7. Detailed list of technical personnel with Xerox copy of the Welders' current certificate issued under the Regulations who are permanently employed with the firm :

8. How many working sites can be handled by the firm simultaneously ?
9. Whether the firm is prepared to execute the job strictly in conformity with the regulations and maintain a high standard of work ?
10. Whether the firm is prepared to accept full responsibility for the work done and is prepared to clarify any controversial issue if required ?
11. Whether the firm is in a position to supply materials to required specification with proper test certificates if asked for ?
12. Whether the firm has an internal quality control system of their own ? If so, give details
13. Qualification and experience of the personnel employed

Date :

Place :

Signature of the authorised
signatory of the firm with stamp.

- Note:** 1. The recognition of the firm as a repairer shall be for a period of two years, thereafter they shall apply for renewal of their recognition at least two months before the expiry of the said period.
2. In case the repairer is found indulging in violating the provisions of the Act/Regulations knowingly or unknowingly, the firm shall be blacklisted under intimation to Chief Inspectors or Directors of Boilers of all the States/Union territories and renewal shall not be done in any case."

[F. No. 6(10)/2000-Boilers]

V. K. GOEL, Secy.

Note: The principal regulations were published in the Gazette of India vide number S.O. 600, dated the 15th September, 1950 and subsequently amended vide notifications :—

- | | |
|---|---|
| (i) G.S.R. 178 dated the 24th March, 1990. | (xiv) G.S.R. 488 dated the 9th November, 1996. |
| (ii) G.S.R. 179 dated the 24th March, 1990. | (xv) G.S.R. 582 dated the 28th December, 1996. |
| (iii) G.S.R. 488 dated the 9th October, 1993. | (xvi) G.S.R. 59 dated the 25th January, 1997. |
| (iv) G.S.R. 516 dated the 23rd October, 1993. | (xvii) G.S.R. 117 dated the 1st March, 1997. |
| (v) G.S.R. 634 dated the 25th December, 1993. | (xviii) G.S.R. 172 dated the 29th March, 1997. |
| (vi) G.S.R. 107 dated the 26th February, 1994;
Errata G.S.R. 223 dated the 14th May, 1994; | (xix) G.S.R. 221 dated the 21st November, 1998. |
| (vii) G.S.R. 250 dated the 4th June, 1994. | (xx) G.S.R. 131 dated the 1st May, 1999. |
| (viii) G.S.R. 402 dated the 13th August, 1994. | (xxi) G.S.R. 139 dated the 8th May, 1999.
Errata G.S.R. 201 dated 7th April, 2001. |
| (ix) G.S.R. 427 dated the 20th August, 1994. | (xxii) G.S.R. 237 dated the 31st July, 1999. |
| (x) G.S.R. 562 dated the 12th November, 1994. | (xxiii) G.S.R. 345 dated the 23rd October, 1999. |
| (xi) G.S.R. 607 dated the 10th December, 1994. | (xxiv) G.S.R. 397 dated the 14th October, 2000. |
| (xii) G.S.R. 83 dated the 25th February, 1995. | (xxv) G.S.R. 219 dated the 14th April, 2001. |
| (xiii) G.S.R. 93 dated the 4th March, 1995. | (xxvi) G.S.R. 496 dated the 8th September, 2001. |
| | (xxvii) G.S.R. 672 dated the 15th December, 2001. |
| | (xxviii) G.S.R. 127 dated the 13th April, 2002. |
| | (xxix) G.S.R. 407 dated the 22nd November, 2003. |

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 जून, 2004

सा.का.नि. 204.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान, बंगलौर में कार ड्राइवर (साधारण श्रेणी, श्रेणी II और श्रेणी I) भर्ती नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान, बंगलौर में कार ड्राइवर (साधारण श्रेणी, श्रेणी II और श्रेणी I) भर्ती (संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान, बंगलौर, कार ड्राइवर (साधारण श्रेणी, श्रेणी II और श्रेणी I) भर्ती नियम, 2001 की अनुसूची में कार ड्राइवर (साधारण श्रेणी) से संबंधित क्रम संख्या 1 के सामने, स्तंभ 8 में, टिप्पण का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. ए-12018/4/2000-टी बी/सीसीडी.]

वी.के. शर्मा, अवर सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम संख्या सा.का.नि. 293, तारीख 15 जुलाई, 2002 द्वारा प्रकाशित किए गए।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 7th June, 2004

G.S.R. 204.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the National Tuberculosis Institute, Bangalore, Car Driver (Ordinary Grade, Grade II and Grade I) Recruitment Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Tuberculosis Institute, Bangalore; Car Driver (Ordinary Grade, Grade II and Grade I) Recruitment (Amendment) Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the National Tuberculosis Institute, Bangalore, Car Driver (Ordinary Grade, Grade II and Grade I) Recruitment Rules, 2001, against serial number 1 relating to the post of Car Driver (Ordinary Grade), in column 8, the Note shall be omitted.

[F. No. A-12018/4/2000-TB/CCD]

V.K. SHARMA, Under Secy.

Foot Note :—The principal rules were published vide number G.S.R. 293, dated the 15th July, 2002.

[आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी

(आयुष विभाग)]

नई दिल्ली, 14 जून, 2004

सा.का.नि. 205.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और निदेशक, होम्योपैथी भेषज संहिता प्रयोगशाला, गाजियाबाद (समूह क तकनीकी पद) भर्ती नियमावली, 1979, को, उन बातों के सिवाय अधिक्रांत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है, या करने का लोप किया गया है, होम्योपैथी फारमोकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद में निदेशक और उप-निदेशक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निदेशक और उप-निदेशक होम्योपैथी फारमोकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद (समूह क तकनीकी पद) भर्ती नियम, 2003 हैं।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.— उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (2) से स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, और अन्य अर्हता.— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ (5) से स्तम्भ (14) में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता.—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान रु.	चयन अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6
1. निदेशक	01* (2003) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "क" राजपत्रित, अननुसचिवीय	12000-375- 16500 रु०	चयन	50 वर्ष से अनाधिक (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।) टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा-जिले के पांगी उपखंड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है।)
सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं			सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो
7	8			9	10
हां	आवश्यक :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौषजिक रसायन (विज्ञान) या रसायन विज्ञान में एम.एससी. डिग्री या वनस्पति विज्ञान या सूक्ष्म जीव विज्ञान या भेषज अभिज्ञान या जैव रसायन या औषधि परख विज्ञान (ड्रग ऐसे) या जीवाणु विज्ञान या भेषज गुण			आयु नहीं आवश्यक अर्हताएं हां	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए 1 वर्ष

17594564

विज्ञान में एम.एस.सी. या एम. फार्मा या एम.एस.सी. (तकनीकी भेषजिकी विज्ञान) या समतुल्य।

(ii) वैज्ञानिक संस्थाओं/सरकारी भेषज प्रयोगशाला/औषधि मानकीकरण संस्था में होम्योपैथी औषधियों के परीक्षण, पहचान और मानकीकरण में 10 वर्ष व्यावहारिक तथा/या अनुसंधान (प्रकाशन द्वारा प्रमाणित) का अनुभव।

(iii) अनुसंधान कार्य/वैज्ञानिक परियोजनाओं या स्कीम में मार्ग-दर्शन/निर्देशन करने का अनुभव।

टिप्पण 1 : अर्हताएं, अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल हो सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

वांछनीय : (i) संबंधित विषय में डाक्टरेट की उपाधि या औषधियों पर वैज्ञानिक लेख का प्रकाशन

(ii) अधिमानतः अनुसंधान या विश्लेषण प्रयोगशाला में प्रशासनिक अनुभव और इसके साथ प्रयोगशाला स्थापित करने/चलाने तथा विभिन्न शाखाओं के क्रियाकलापों में समन्वय रखने का अनुभव हो।

(iii) होम्योपैथी औषधियों पर कार्य करने का अनुभव।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/आमेलन किया जाएगा

11

12

प्रोन्नति, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा, दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा

प्रोन्नति :

होम्योपैथी फारमोकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद में 10,000-15,200 रु. के वेतनमान में ऐसे उप निदेशक जिन्होंने उस श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की हो।

टिप्पण : जहां ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में जिन्होंने अपनी अर्हक/पात्रता सेवा पूरी कर ली है, प्रोन्नति के लिए विचार किया जा रहा हो वहां उनसे ज्येष्ठ व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा परन्तु यह तब जब कि उनके द्वारा की गई ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा, अपेक्षित अर्हक/पात्रता सेवा के आधे से अधिक से या दो वर्ष से, इनमें से जो भी कम हो, कम न हो और उन्होंने ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों सहित, जिन्होंने ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा पहले ही पूरी कर ली है, अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए अपनी परीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली हो।

प्रतिनियुक्ति : (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी हैं) :— केन्द्रीय/राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्रों/विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थाओं/स्वायत्त निकायों/पब्लिक सैक्टर के उपक्रमों/अर्ध सरकारी या कानूनी संगठनों के अधीन ऐसे अधिकारी :—क (i) जो मूल काडर/विभाग में नियुक्ति के आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं या

(ii) जो मूल काडर/विभाग में 10000-15200 रु. या समतुल्य वेतनमान में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में पांच वर्ष सेवा कर चुके हों और

ख. स्तंभ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव रखते हों। पोषक प्रवर्ग के ऐसे अधिकारी जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

इसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

प्रतिनियुक्ति की अवधि, (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया चार वर्ष से अधिक नहीं होगी।

प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) के लिए अधिकतम आयु-सीमा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है, तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति के लिए):—

- | | |
|---|-----------|
| 1. अध्यक्ष/सदस्य, लोक संघ लोक सेवा आयोग | — अध्यक्ष |
| 2. सचिव, भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग | — सदस्य |
| 3. संयुक्त सचिव, भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग | — सदस्य |
| 4. सलाहकार (होम्योपैथी) | — सदस्य |

सीधे भर्ती और प्रतिनियुक्ति जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी है पर किसी अधिकारी की नियुक्ति करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए):—

- | | |
|---|-----------|
| 1. सचिव, भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग | — अध्यक्ष |
| 2. संयुक्त सचिव, भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग | — सदस्य |
| 3. सलाहकार (होम्योपैथी) | — सदस्य |

1	2	3	4	5	6
2. उप निदेशक	2* (2003)	साधारण केन्द्रीय सेवा,	10000-325-	चयन	40 वर्ष से अनधिक
	*कार्यभार के	समूह "क" अराजपत्रित, 15200 रु०			(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)
	आधार पर	अननुसचिवीय			टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा-जिले के पांगी उपखंड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है।)
	परिवर्तन किया जा सकता है।				

7	8	9	10
नहीं	<p>आवश्यक :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भैषजिक रसायन (विज्ञान) या रसायन विज्ञान में या तकनीकी विज्ञान या वनस्पति विज्ञान या सूक्ष्म जीव विज्ञान या जीवाणु विज्ञान या भेषज अभिज्ञान या जैव रसायन या भेषज गुण विज्ञान में मास्टर डिग्री या एम. फार्मा या औषधि परख विज्ञान (ड्रग ऐसे) में एम.एस.सी. या समतुल्य डिग्री या समतुल्य।</p> <p>(ii) भेषजी/भैषजिक प्रयोगशाला में होम्योपैथी औषधियों के विश्लेषण/परीक्षण या मानकीकरण (प्रकाशन द्वारा प्रमाणित) में पांच वर्ष का अनुभव।</p> <p>टिप्पण 1 : अर्हताएं, अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।</p> <p>टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल हो सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।</p> <p>वांछनीय : (i) शैक्षिक अर्हता (i) के अधीन उल्लिखित सुसंगत विषय में डाक्टरेट की उपाधि या औषधियों के मानकीकरण पर पत्रों का प्रकाशन।</p> <p>(ii) प्रयोगशाला को चलाने और विभिन्न शाखाओं के क्रियाकलापों में समन्वय रखने का प्रशासनिक अनुभव।</p>	आयु-नहीं आवश्यक अर्हताएं-हां	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए 1 वर्ष
11	12		
<p>प्रोन्नति, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी हैं) द्वारा, दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा</p>	<p>प्रोन्नति : होम्योपैथी फार्मोकोपिया प्रयोगशाला, गाजियाबाद में ऐसा वैज्ञानिक अधिकारी (भेषज अभिज्ञान)/ वैज्ञानिक अधिकारी (सूक्ष्म जीव विज्ञान)/ वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन विज्ञान)/ वैज्ञानिक अधिकारी (भेषज गुण विज्ञान)/ जिसने श्रेणी में पांच वर्ष नियमित सेवा की हो।</p> <p>टिप्पण 1 : प्रोन्नति के लिए पात्रता सूची, अधिकारियों द्वारा अपनी श्रेणी/पद में विहित अर्हता सेवा पूर्ण कर लेने के निदेश से तैयार की जाएगी।</p> <p>टिप्पण : जहां ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में जिन्होंने अपनी अर्हक/पात्रता सेवा पूरी कर ली है, प्रोन्नति के लिए विचार किया जा रहा हो वहां उनसे ज्येष्ठ व्यक्तियों के संबंध में भी विचार किया जाएगा परन्तु यह तब जब कि उनके द्वारा की गई ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा, अपेक्षित अर्हक/पात्रता सेवा के आधे से अधिक से या दो वर्ष से, इनमें से जो भी कम हो, कम न हो और उन्होंने ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों सहित, जिन्होंने ऐसी अर्हक/पात्रता सेवा पहले ही पूरी कर ली है, अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिए अपनी परीक्षा की अवधि सफलतापूर्वक पूरी कर ली हो।</p> <p>प्रतिनियुक्ति : (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी हैं) :— केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्रों/विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थाओं/स्वायत्त निकायों/पब्लिक सेक्टर के उपक्रमों/अर्ध सरकारी या कानूनी संगठनों के अधीन ऐसे अधिकारी :—क (i) जो मूल काडर/विभाग में नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हों या</p> <p>(ii) जो मूल काडर/विभाग में 8000-13500 रु. या समतुल्य वेतनमान में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में पांच वर्ष सेवा कर चुके हों और</p>		

ख. स्तंभ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव रखते हों।

पोषक प्रवर्ग के ऐसे अधिकारी जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

इसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

प्रतिनियुक्ति की अवधि, (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी हैं) जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है साधारणतया चार वर्ष से अधिक नहीं होगी।

प्रतिनियुक्ति द्वारा नियुक्ति के लिए (जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी हैं) के लिए अधिकतम आयु-सीमा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

समूह क विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति के लिए):—

1. सचिव, भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग
2. सलाहकार (होम्योपैथी)

— अध्यक्ष

— सदस्य

सीधे भर्ती और किसी अन्य अधिकारी को प्रतिनियुक्ति

(जिसके अंतर्गत अल्पकालिक संविदा भी हैं) पर नियुक्ति

करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक

है।

3. निदेशक, भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग
और भार साधक निदेशक होम्योपैथी फारमाकोपिया प्रयोगशाला,
गाजियाबाद

— सदस्य

समूह क विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए):—

1. सचिव, भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी विभाग
2. सलाहकार/उप सलाहकार (होम्योपैथी), भारतीय चिकित्सा
पद्धति और होम्योपैथी विभाग
3. भारसाधक निदेशक होम्योपैथी फारमाकोपिया प्रयोगशाला,
गाजियाबाद

— अध्यक्ष

— सदस्य

— सदस्य

[फा. सं. एक्स-19018/23/93-होम्यो (एचपीसी)]

एन. के. लखनपाल, अवर सचिव

टिप्पण : निदेशक, होम्योपैथी भेषज संहिता प्रयोगशाला, गाजियाबाद समूह क तकनीकी पद, भर्ती नियम, 1972 को भारत के राजपत्र, भाग II खंड 3 उप-खंड (i) तारीख 21 जुलाई, 1979 में सा.का.नि. 967, 6 मई, 1979 द्वारा प्रकाशित किया गया।

(Department of ISM and Homoeopathy)

New Delhi, the 14th June, 2004

G.S.R. 205.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the constitution and in supersession of the Director, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad (Group 'A', Technical Post) Recruitment Rules, 1979, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of **DIRECTOR AND DEPUTY DIRECTORS**, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad, namely:

Short title and commencement: (1) These rules may be called the Director and Deputy Directors, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad (Group 'A', Technical Posts) Recruitment Rules, 2003.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

1. Number of post, classification and the scale of pay.—The number of the said post, the classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

2. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said schedule.

17596564

3. Disqualifications.—No person, shall be eligible for appointment to the said post :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

4. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

5. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	Number of Post	Classification	Scale of Pay	Whether selection or non-selection post	Age limit for direct recruits
1	2	3	4	5	6
1. Director	01* (2003) * Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 12,000-375-16,500	Selection	Not exceeding 50 years (Relaxable for Government servants upto Five years in accordance with the instructions of orders issued by the Central Government.) Note : The Crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Laddakh division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh and Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).

Whether benefit of added years of service as admissible under Rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualification required for direct recruitment	Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any
7	8	9	10
Yes	Essential : (i) M.Sc. Degree in Pharmaceutical chemistry or chemistry or M.Sc. in Botany or Microbiology or Pharmacognosy or Bio-chemistry or drug assay or bacteriology or Pharmacology or M. Pharma or M.Sc. (Tech. Pharmaceuticals) Degree of a recognized university or equivalent.	Age—No Essential qualifications—Yes	1 year for direct recruits

(ii) Ten years practical and/or research (as evidenced by publication) experience in the testing, identification and standardization of homoeopathic drugs in scientific institutions/Govt. Pharmacopeial Laboratory/Drug standardization institution.

(iii) Experience of guiding/directing undertaking research/scientific projects or scheme.

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission, in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates belonging to scheduled castes or scheduled tribes, if at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the posts reserved for them.

Desirable :

- (i) Doctorate degree in subject concerned or publication of scientific paper on drugs.
- (ii) Administrative experience preferably in a research or analytical laboratory with experience of setting up or running a laboratory and coordinating the activities of different branches.
- (iii) Experience of working with homoeopathic drugs.

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/absorption and percentage of the posts to be filled by various methods

In case of recruitment by promotion/deputation/absorptions grades from which promotion/deputation/absorption to be made

11

12

Promotion failing which by deputation, failing both by direct recruitment.

Promotion :

Deputy Directors in the Pay scale of Rs. 10000-15200 with five years regular service in the grade from Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory,

Note : Where Juniors who have completed their qualifying/eligibility service are being considered for promotion, their senior would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying/eligibility service by more than half of such qualifying/eligibility service or two years, whichever is less, and have successfully completed their probation period for promotion to the next higher grade alongwith their juniors who have already completed such qualifying/eligibility service.

Deputation (including short term contract) :

Officers under the Central/State Government/Union Territories/Universities/Research institutions/Autonomous Bodies/Public Sector undertakings/Semi Government or statutory organizations :

- (a) (i) holding analogous post on regular basis in the parent cadre/department;

or

12

(ii) with five year's service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis in the pay scale of Rs. 10000-15200 or equivalent in the parent cadre/department; and

(b) Possessing the educational qualifications and experience prescribed for Direct Recruits under Col. 8.

The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationist shall not eligible for consideration for appointment by promotion.

Period of deputation (including shor term contract) including period of deputation (including shor term contract) in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organization/department of the Central Government shall ordinarily not be exceed four years. The maximum age limit for appointment by deputation (including short term contract) shall be not exceeding 56 years as on the closing date of the receipt of applications.

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

13

14

Group 'A' Departmental Promotion Committee (for promotion)

1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman
2. Secretary, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy —Member
3. Joint Secretary, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy —Member
4. Advisor (Homoeopathy) —Member

Consultation with Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and appointing an officer on deputation (including shor term contract)

Group 'A' Departmental Promotion Committee (For confirmation) :

1. Secretary, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy —Chairman
2. Joint Secretary, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy —Member
3. Advisor (Homoeopathy). —Member

1	2	3	4	5	6
2. Deputy Director	02* (2003) * Subject to variation dependent on workload.	General Central Services Group 'A' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 10000-325-15,200	Selection	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants upto Five years in accordance with the instructions of orders issued by the Central Government.) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Laddakh division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti District and Pangi subdivision of Chamba district of Himachal Pradesh and Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).

7	8	9	10
No	<p>Essential :</p> <p>(i) Masters Degree in Pharmaceutical Chemistry or chemistry or Technical Pharmaceutics or Botany or Microbiology or Bacteriology or Pharmacognosy or Biochemistry or Pharmacology or M. Pharma or M. Sc. Drug Assay or equivalent degree from a recognized university or equivalent.</p> <p>(ii) Five years experience in analysis/ testing or standardization of Homoeopathic drugs (as evidenced by publication) in a Pharmacopoeial/Pharmaceutical Laboratory.</p> <p>Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission, in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates belonging to scheduled castes or scheduled tribes. If at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the posts reserved for them.</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Doctorate degree in relevant subject mentioned under educational qualification (i) or publication of papers on standardization of drugs.</p> <p>(ii) Administrative experience in running the laboratory and coordination of activities of different branches.</p>	<p>Age—No</p> <p>EQs—Yes</p>	<p>1 year for direct recruits</p>

11	12
<p>Promotion failing which by deputation, (including short term contract), failing both by Direct Recruitment</p>	<p>Promotion :</p> <p>Scientific Officer (Pharmacognosy)/Scientific Officer (Microbiology)/Scientific Officer (Chemistry)/Scientific Officer (Pharmacology) with five years regular service in the grade in Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad.</p> <p>Note 1 : The eligibility list for promotion shall be prepared with reference to the date of completion by the officers of prescribed qualifying service in the respective grade/post.</p> <p>Note 2 : Where Juniors who have completed their qualifying/eligibility service are being considered for promotion, their seniors would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying/eligibility service by more than half of such qualifying/eligibility service or two years, whichever is less, and have successfully completed their probation period for promotion to the next higher grade alongwith their juniors who have already completed such qualifying/eligibility service.</p>

17599564

Deputation (including short term contract) :

Officers under the Central/State Government/Union Territories/Universities/Research Institutions/Autonomous Bodies/Public Sector Undertakings/Semi- Government or Statutory Organizations :

- (a) (i) Holding analogous post on regular basis in the parent cadre/department;
or
(ii) With five year's services in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis in the scale of pay of Rs. 8000—13500 or equivalent in the parent cadre or department; and
(b) Possessing the educational qualifications and experience prescribed for Direct Recruits under Col. 8.

The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation.

Similarly deputationist shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.

Period of deputation (including short term contract) including period of deputation (including short term contract) in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organization/department of the Central Government shall ordinarily not to exceed four years. The maximum age limit for appointment by deputation (including short term contract) shall be not exceeding 56 years as on the closing date of the receipt of applications.

**Group 'A' Departmental Promotion Committee
(For promotion) :**

1. Secretary, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy —Chairman
2. Advisor (Homoeopathy) —Member
3. Director, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy and Director In-charge, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad—Member

**Group 'A' Departmental Promotion Committee
(For confirmation) :**

1. Secretary, Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy —Chairman
2. Advisor/Deputy Advisor (Homoeopathy), Department of Indian System of Medicine and Homoeopathy —Member
3. Director In-charge, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad. —Member

Consultation with Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and appointing an officer on deputation (including short term contract).

[F. No. X-19018/23/93-Homoeo (HPC)]

N. K. LAKHANPAL, Under Secy.

Note : The Director, Homoeopathic Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad Group 'A' Technical Post, Recruitment Rules, 1979 were published vide G.S.R. 967, dated the 6th May, 1979 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-rule (i) dated 21st July, 1979.

पर्यटन विभाग

नई दिल्ली, 7 जून, 2004

सा.का.नि. 206.—“आवास अवसंरचना योजना हेतु प्रोत्साहन” के संबंध में पर्यटन विभाग की दिनांक 22-08-2003 एवं 02-12-2003 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में पैरा 4 को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जायेगा:—

“परियोजना के पूरा होने तथा अनुमोदित की गई श्रेणी में इसके वर्गीकरण के पश्चात्, प्रोत्साहन की राशि, नामित वित्तीय संस्थानों, अर्थात् भारतीय पर्यटन वित्त निगम, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, आई सी आई सी आई, आई डी बी आई, सिडबी, राज्य वित्तीय निगमों, राज्य औद्योगिक वित्त निगमों, हुडको और अनुसूचित बैंकों को सीधे ही रिलीज की जायेगी।

तथापि, निम्नलिखित को नोट किया जाये:—

- (i) केवल गैर-महानगरीय होटल परिसम्पत्तियों के लिए, अनुसूचित बैंकों द्वारा स्वीकृत ऋणों/आवधिक ऋणों को, नामित वित्तीय संस्थान द्वारा स्वीकृत के रूप में माना जायेगा।
- (ii) यदि ऋण, पूर्ण ऋण के पुनर्वित्त पोषण हेतु प्राप्त किया जाता है तो योजना के अंतर्गत लाभ उपलब्ध नहीं होगा।”

यह एकीकृत वित्त के दिनांक 2-6-2004 के यू.ओ. सं. 6791/एफ सी(टी)/04 के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

[सं. 14-टीएच-II(3)/2002]

कुलदीप कुमार, अवर सचिव

DEPARTMENT OF TOURISM

New Delhi, the 7th June, 2004

G.S.R. 206.—In continuation of Department of Tourism's Notification of even numbers dated 22-08-2003 and 02-12-2003 regarding the “Incentive to Accommodation Infrastructure Scheme” para 4 may be substituted as follows:—

“The amount of incentive will be released to the designated financial institutions i.e. Tourism Finance Corporation of India, Industrial Finance Corporation of India, ICICI, IDBI, SIDBI, State Financial Corporations, State Industrial Development Corporations, HUDCO and Scheduled Banks directly after completion of the project and its classification in the category in which it has been approved.

However the following may be noted:

- (i) Project loans/term loans sanctioned by scheduled banks will be considered as sanctioned by a designated financial institution only for non-metro hotel properties.
- (ii) The benefits under the scheme will not be available if the loan is availed for re-financing of an earlier loan.”

This issues with the approval of IF U.O. No. 6791/FC(T)/04 dated 02-06-2004.

[No. 14-TH-II(3)/2002]

KULDEEP KUMAR, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन और डेयरी विभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 जून, 2004

सा.का.नि. 207.—भारतीय मछली उद्योग सर्वेक्षण और उसके आस्थान (वर्ग 3 पद) ग्रीजर श्रेणी II भर्ती (संशोधन) नियम, 2002 से संबंधित भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 11 जनवरी, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी विभाग की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 16 तारीख 30 दिसम्बर, 2002 की अनुसूची में,—

- (i) स्तंभ 7 में, “28 वर्ष” के स्थान पर, “28 वर्ष से अनधिक” पढ़ें;
- (ii) स्तंभ 12 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, “लागू नहीं होता” पढ़ें;
- (iii) स्तंभ 13 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, “लागू नहीं होता” पढ़ें।

[फा. सं. 2-11/99-एफआई(प्रशा.)]

आर. के. मेहता, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th June, 2004

G.S.R. 207.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture, Department of Animal Husbandry and Dairying, No. G.S.R. 16 dated the 30th December, 2002, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 11th January, 2003 relating to the Fishery Survey of India and its bases (Class III post) Greaser Grade II Recruitment (Amendment) Rules, 2002, in the Schedule,—

- (i) in column 6, for “28 years”, read “not exceeding 28 years”;
- (ii) in column 12, for the existing entry, read “Not applicable”;
- (iii) in column 13, for the existing entry, read “Not applicable”.

[F. No. 2-11/99-Fy(Admn.)]

R. K. MEHTA, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 जून, 2004

सा.का.नि. 208.—भारतीय मछली उद्योग सर्वेक्षण और उसके आस्थान (वर्ग 4 पद) ज्येष्ठ नाविक भर्ती (संशोधन) नियम, 2002 से संबंधित भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 11 जनवरी, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी विभाग की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 19 तारीख 30 दिसम्बर, 2002 की अनुसूची में,—

- (i) स्तंभ 5 में, “चयन-सह-ज्येष्ठता” के स्थान पर, “चयन” पढ़ें;
- (ii) स्तंभ 7 में, “28 वर्ष” के स्थान पर, “28 वर्ष से अनधिक” पढ़ें;

[फा. सं. 2-11/99-एफ आई(प्रशा.)]

आर. के. मेहता, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th June, 2004

G.S.R. 208.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture, Department of Animal Husbandry and Dairying, No. G.S.R. 19 dated the 30th December, 2002, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 11th January, 2003 relating to the Fishery Survey of India and its bases (Class III post) Senior Deckhand Recruitment (Amendment) Rules, 2002, in the Schedule,—

- (i) in column 5, for "Selection-cum-Seniority", read "Selection";
- (ii) in column 6, for "28 years", read "Not exceeding 28 years".

[F. No. 2-11/99-Fy(Admn.)]

R. K. MEHTA, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 जून, 2004

सा.का.नि. 209.—भारतीय मछली उद्योग सर्वेक्षण और उसके आस्थान (वर्ग 3 पद) ग्रीजर ग्रेड I भर्ती (संशोधन) नियम, 2002 से संबंधित भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 11 जनवरी, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी विभाग की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 17 तारीख 30 दिसम्बर, 2002 की अनुसूची में,—

- (i) स्तंभ 5 में, "चयन-सह-प्रेष्ठता" के स्थान पर, "चयन" पढ़ें;
- (ii) स्तंभ 7 में, "28 वर्ष" के स्थान पर, "28 वर्ष से अधिक" पढ़ें।

[फ. सं. 2-11/99-एफवाई(प्रशा.)]

आर. के. मेहता, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th June, 2004

G.S.R. 209.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture, Department of Animal Husbandry and Dairying, No. G.S.R. 17 dated the 30th December, 2002, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 11th January, 2003 relating to the Fishery Survey of India and its bases (Class III post) Greaser Grade I Recruitment (Amendment) Rules, 2002, in the Schedule,—

- (i) in column 5, for "Selection-cum-Seniority", read "Selection";
- (ii) in column 6, for "28 years", read "Not exceeding 28 years".

[F. No. 2-11/99-Fy(Admn.)]

R. K. MEHTA, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 जून, 2004

सा.का.नि. 210.—भारतीय मछली उद्योग सर्वेक्षण और उसके आस्थान (वर्ग 4 पद) कनिष्ठ नाविक भर्ती (संशोधन) नियम, 2002 से संबंधित भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख

11 जनवरी, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी विभाग की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 18 तारीख 30 दिसम्बर, 2002 की अनुसूची में,—

- (i) स्तंभ 5 में, "चयन-सह-प्रेष्ठता" के स्थान पर, "चयन" पढ़ें;
- (ii) स्तंभ 7 में, "28 वर्ष" के स्थान पर, "28 वर्ष से अधिक" पढ़ें।

[फ. सं. 2-11/99-एफवाई(प्रशा.)]

आर. के. मेहता, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th June, 2004

G.S.R. 210.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture, Department of Animal Husbandry and Dairying, No. G.S.R. 18 dated the 30th December, 2002, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 11th January, 2003 relating to the Fishery Survey of India and its bases (Class IV post) Junior Deckhand Recruitment (Amendment) Rules, 2002, in the Schedule,—

- (i) in column 5, for the "Selection-cum-Seniority", read "Selection";
- (ii) in column 6, for "28 years", read "Not exceeding 28 years".

[F. No. 2-11/99-Fy(Admn.)]

R. K. MEHTA, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 जून, 2004

सा.का.नि. 211.—भारतीय मछली उद्योग सर्वेक्षण प्रयोगशाला परिचर (समूह 'ब' पद) भर्ती नियम, 2002 से संबंधित भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 11 जनवरी, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी विभाग की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 20 तारीख 30 दिसम्बर, 2002 की अनुसूची में,—स्तंभ 5 में, "चयन-सह-प्रेष्ठता" के स्थान पर "चयन" पढ़ें।

[फ. सं. 2-52/99-एफवाई(प्रशा.)]

आर. के. मेहता, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th June, 2004

G.S.R. 211.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture, Department of Animal Husbandry and Dairying, No. G.S.R. 20 dated the 30th December, 2002, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 11th January, 2003 relating to the Fishery Survey of India Laboratory Attendant (Group 'D' post) Recruitment Rules, 2002, in the Schedule,—in column 5 for "Selection-cum-Seniority", read "Selection".

[F. No. 2-52/99-Fy(Admn.)]

R. K. MEHTA, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 जून, 2004

सा.का.नि. 212.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 95 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम के साथ विचार-विमर्श करने के पश्चात् कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियमावली, 1950 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित प्रारूप नियम उक्त धारा की उप-धारा (1) द्वारा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करने का प्रस्ताव करती है तथा एतद्द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उक्त प्रारूप नियमों पर सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख के पैंतालीस दिन के बाद विचार किया जाएगा।

2. यदि उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में ऊपर निर्धारित अवधि के अंदर किसी व्यक्ति से कोई आपत्तियां अथवा सुझाव प्राप्त होते हैं, तो केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

3. आपत्तियां तथा सुझाव श्रीमती संयुक्ता राय, अवर सचिव, श्रम मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 को भेजे जाने चाहिए।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों को कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) (पहला संशोधन) नियम, 2004 कहा जाए।

2. कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम में, नियम 51 के वर्तमान पाठ के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“51. अंशदान की दरें.—किसी मजदूरी अवधि के लिए अंशदान की राशि निम्नलिखित के संबंध में होगी—

(क) नियोक्ता का अंशदान, किसी कर्मचारी को देय मजदूरी के 4-3/4 प्रतिशत के बराबर राशि (अगले रुपये तक पूर्णांकित की गयी); और

(ख) कर्मचारी का अंशदान, किसी कर्मचारी को देय मजदूरी के 1-3/4 प्रतिशत के बराबर राशि (अगले रुपये तक पूर्णांकित की गयी)।”

[सं. एस-38012/2/2004-एसएस-1]

संयुक्ता राय, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 11th June, 2004

G.S.R. 212.—The following draft Rules further to amend the Employees' State Insurance (Central) Rules, 1950 which the Central Government after consultation with the Employees' State Insurance Corporation proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 95 of the Employees' Insurance Act, 1948 (34 of 1948), is hereby published as required by Sub-section (1) of the said Section for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft Rules will be taken into consideration after 45 days from the date of publication in the Official Gazette.

2. Any objection or suggestion, which may be received from any person in respect of the said draft Rules within the period specified above, will be considered by the Central Government.

3. The objections and suggestions may be addressed to Smt. Sanjukta Ray, Under Secretary, Ministry of Labour, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001.

DRAFT RULES

1. These Rules may be called the Employees' State Insurance (Central) (1st amendment) Rules, 2004.

2. In the Employees' State Insurance (Central) Rules, the present text of Rule 51 shall be substituted by the following :—

“51. Rate of Contribution.—The amount of contribution for a wage period shall be in respect of—

(a) employer's contribution, a sum (rounded to the next higher rupee) equal to four and three-fourth per cent of the wages payable to an employee; and

(b) employee's contribution, a sum (rounded to the next higher rupee) equal to one and three-fourth per cent of the wages payable to an employee.”

[No. S-38012/2/2004-SS-I]

SANJUKTARAY, Under Secy.

शहरी विकास और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय

(संपदा निदेशालय)

नई दिल्ली, 17 जून, 2004

सा.का.नि. 213.—केन्द्रीय सरकार मूल नियमों के नियम 45 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकारी निवास-स्थान आबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी निवास-स्थान आबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) दूसरा संशोधन नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी निवास-स्थान आबंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में, निवास की बदली से संबंधित अनुपूरक नियम 317-ख-15 के उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(2) कोई अधिकारी जिसका आशय पहले से उसे आबंटित आवास में बदली का है वह संपदा निदेशालय को विहित प्रारूप में आवेदन करेगा, और तत्पश्चात् उस अधिकारी का नाम संबंधित प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित किया जाएगा और ऐसे अधिकारी की टाईप 1 से टाईप 4 के आवास और होस्टल के लिए आवास की संबंधित प्रतीक्षा सूची में पारस्परिक स्थिति ऐसी प्रतीक्षा सूची में संपदा निदेशालय में ऐसे आवेदन की प्राप्ति की तारीख के आधार पर उसी क्रम में अवधारित की जाएगी और टाईप 4 (विशेष) तथा उच्चतर टाईपों और होस्टल आवास के लिए आवास की बदली का आशय रखने वाले अधिकारियों की संबंधित प्रतीक्षा सूची में पारस्परिक स्थिति का अवधारण यथास्थिति टाईप-4 (विशेष) और उच्चतर टाईपों तथा होस्टल आवास के आबंटन के संबंध में संबंधित अधिकारी की उस पूर्विकता की तारीख के आधार पर किया जाएगा, जिसके लिए वह अनुपूरक नियम 317-ख-5 के उपबंधों के अधीन पात्र है।”

[फा. सं. 12035/11/2003-पूल-II]

महेन्द्र सिंह, उप निदेशक

17595404

टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र में सं. का.आ. 1330, तारीख 6 मई, 1963 को प्रकाशित किए गए थे तथा पुनः 1980 में पुनर्मुद्रित किया गया (अक्टूबर, 1979 तक यथासंशोधित) तथा निम्नलिखित द्वारा पश्चात्कर्तरी संशोधन किए गए :—

1. का.आ. 1607, तारीख 24 अप्रैल, 1982
2. का.आ. 4202, तारीख 18 दिसंबर, 1982
3. सा.का.नि. 159, तारीख 19 फरवरी, 1983
4. का.आ. 2085, तारीख 1 मई, 1985
5. का.आ. 666, तारीख 22 फरवरी, 1986
6. सा.का.नि. 530, तारीख 11 जुलाई, 1987
7. सा.का.नि. 796, तारीख 24 अक्टूबर, 1987
8. सा.का.नि. 265 तारीख 30 मई, 1992
9. सा.का.नि. 150, तारीख 26 मार्च, 1994
10. सा.का.नि. 447, तारीख 3 सितंबर, 1994
11. सा.का.नि. 454, तारीख 14 अक्टूबर, 1995
12. सा.का.नि. 542, तारीख 30 नवंबर, 1996
13. सा.का.नि. 58(अ), तारीख 28 जनवरी, 1998
14. सा.का.नि. 287(अ), तारीख 1 जून, 1998
15. सा.का.नि. 225, तारीख 21 नवंबर, 1998
16. सा.का.नि. 239, तारीख 21 जुलाई, 1999
17. सा.का.नि. 27, तारीख 13 जनवरी, 2001
18. सा.का.नि. 346, तारीख 23 जून, 2001
19. सा.का.नि. 528(अ), तारीख 13 जुलाई, 2001
20. सा.का.नि. 52, तारीख 1 फरवरी, 2003
21. सा.का.नि. 246(अ), तारीख 25 मार्च, 2003
22. सा.का.नि. 182, तारीख 24 अप्रैल, 2003
23. सा.का.नि. 7, तारीख 3 जनवरी, 2004

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT AND POVERTY ALLEVIATION

(DIRECTORATE OF ESTATES)

New Delhi, the 17th June, 2004

G.S.R. 213.—In exercise of the power conferred by rule 45 of the Fundamental Rules, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, namely :—

(1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Second Amendment Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, in SR 317-B-15 relating

to change of residences, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(2) An officer, who intends to change the accommodation already allotted to him shall make an application in the prescribed form to the Directorate of Estates, and thereafter, the name of such officer shall be included in the waiting list concerned and *inter se* position of such officer in such waiting list for accommodation of Type I to Type IV shall be determined on the basis of the date of receipt of such application to the Directorate of Estates in such order and for accommodation of Type IV (Special) and higher types and hostel accommodation, the *inter se* position in the waiting list concerned of officers intending to change the accommodation shall be determined on the basis of priority date of the officer concerned in relation to allotment of type IV (Special) and higher types and hostel accommodation, as the case may be, to which he is eligible under the provisions of SR 317-B-5.”

[F. No. 12035/11/2003-Pol.-II]

MAHENDRA SINGH, Dy. Director

Note : The principal rules were published in the Official Gazette *vide* No. S.O. 1330, dated the 6th May, 1963 and were re-printed in 1980 (corrected upto October, 1979) and subsequently amended by :—

1. S.O. 1607, dated the 24th April, 1982.
2. S.O. 4202, dated the 18th December, 1982.
3. GSR 159, dated the 19th February, 1983.
4. S.O. 2085, dated the 1st May 1985.
5. S.O. 666, dated the 22nd February 1986.
6. GSR 530, dated the 11th July, 1987.
7. GSR 796, dated the 24th October, 1987.
8. GSR 265, dated the 30th May, 1992.
9. GSR 150, dated the 26th March, 1994.
10. GSR 447, dated the 3rd September, 1994.
11. GSR 454, dated the 14th October 1995.
12. GSR 542, dated the 30th November, 1996.
13. GSR 58(E), dated the 28th January, 1998.
14. GSR 287(E), dated the 1st June, 1998.
15. GSR 225, dated the 21st November, 1998.
16. GSR 239, dated the 21st July, 1999.
17. GSR 27, dated the 13th January, 2001.
18. GSR 346, dated the 23rd June, 2001.
19. GSR 528(E), dated the 13th July, 2001.
20. GSR 52, dated the 1st February, 2003.
21. GSR 246(E), dated the 25th March, 2003.
22. GSR 182, dated the 24th April, 2003.
23. GSR 7, dated the 3rd January, 2004.